सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 26 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 27 फरवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

कभी मत सोचिये कि आत्मा के लिए कुछ असंभव है। ऐसा सोचना सबसे बड़ा विधर्म है। अगर कोई पाप है, तो वो यही है, ये कहना कि तुम निर्बल हो या अन्य निर्बल हैं।

–स्वामी विवेकानंद

पूरे उत्साह से मेघालय व नगालैंड... 8 | गैस की महंगाई, फिर चूल्हे के करीबे... 3 | कांग्रेस तानाशाही और सांप्रदायिकता... 7

सिसोदिया की गिरफ्तारी पर मचा सियासी संग्राम

भाजपा की तानाशाही के खिलाफ पूरे देश में आप का प्रदर्शन

» पूरे विपक्ष ने मोदी सरकार को कोसा कहा- लोकतंत्र की हो रही हत्या

» आप दफ्तर के आसपास धारा 144 लागू

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर पूरे देश में सियासी घमासान मच गया है। उधर आप समेत सभी विपक्षी दलों ने भाजपा की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोल दिया है।

उधर सीबीआई ने मनीष सिसोदिया की मेडिकल जांच भी करवाई। उसके बाद डिप्टी सीएम को दोपहर के बाद दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया।

वहीं उप मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी देशव्यापी स्तर पर प्रदर्शन किया। दिल्ली में आप समर्थक और कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुख्यालय के सामने प्रदर्शन किया। सिसोदिया आम आदमी पार्टी के दूसरे मंत्री हैं, जिन्हें एक केंद्रीय एजेंसी ने एक साल से भी कम समय में गिरफ्तार किया है। इससे पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को मई 2022 में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था, वो अभी भी जेल में हैं।

दिल्ली के आईटीओ लोकेशन में स्थित आम आदमी पार्टी के मुख्यालय के आसपास दिल्ली पुलिस के द्वारा धारा 144 लगाई गई है। वहीं, सेंट्रल दिल्ली के आसपास अर्ध सैनिक बलों और दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है। बैरिकेड लगाकर पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग की जा रही है।

संजय सिंह और गोपाल राय को हिरासत से छोड़ा गया

सांसद संजय सिंह और मंत्री गोपाल राय समेत 36 आप नेताओं को पुलिस हिरासत से छोड़ा जा रहा है। कल धारा 144 का उल्लंघन करने पर उन्हें हिरासत में लिया गया था।

सिसोदिया ने रोड शो कर दिखाई ताकत

रविवार को सीबीआई दफ्तर जाते वक्त मनीष सिसोदिया ने रोड शो निकाला। उन्होंने इस रोड शो में ही अपनी गिरफ्तारी की आशंका जाहिर कर दी थी। रिपोर्ट्स में सीबीआई सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि पिछले साल 19 अगस्त को सीबीआई ने दिल्ली एक्साइज डिपार्टमेंट की छानबीन की। वहां से एक डिजिटल डिवाइस सीज की गई। इस डिवाइस से सीबीआई को पता चला कि लिकर पॉलिसी का एक दस्तावेज एक ऐसे सिस्टम को भेजा गया था, जो एक्साइज डिपार्टमेंट के नेटवर्क में था ही नहीं। इसके बाद सीबीआई ने एक्साइज डिपार्टमेंट के अधिकारी को पूछताछ के लिए बुलाया। उस अफसर ने एक सिस्टम की जानकारी दी, जिसे एजेंसी ने इस साल 14 जनवरी को सिसोदिया के दफ्तर से जब्त किया। इस सिस्टम की ज्यादातर फाइल्स डिलीट कर दी गई थीं, लेकिन अपनी फोरेंसिक टीम की मदद से सीबीआई ने ये डेटा हासिल कर लिया। फोरेंसिक जांच में पता चला की दस्तावेज बाहर से बना और वॉट्सऐप पर रिसीव किया गया।

इंसान को धोखा दे सकते हैं, भगवान को नही : मनोज तिवारी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इंसान को धोखा दे सकते हैं, भगवान को नही। वहीं सांसद प्रवेश वर्मा ने कहा कि ये दिल्ली की जनता की जीत है। सवाल शराब पॉलिसी को लेकर और जवाब शिक्षा पर, ये कैसे मुमकिन है। कल जितने भी आप के नेता के ट्वीट आए वो शराब पॉलिसी को डिफेंड नहीं कर रहे थे, सिसोदिया के शिक्षा के काम को गिनवा रहे हैं ,बात केमिस्ट्री की और जवाब हिस्ट्री का, कैसे चलेगा।

मनीष की गिरफ्तारी के खिलाफ थे ज्यादातर सीबीआई अधिकारी : केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे बताया गया है कि ज्यादातर सीबीआई अधिकारी मनीष की गिरफ्तारी के खिलाफ थे। वे सभी उनका बहुत सम्मान करते हैं और उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। लेकिन उन्हें गिरफ्तार करने का राजनीतिक दबाव इतना अधिक था कि उन्हें अपने राजनीतिक आकाओं की बात माननी पड़ी।

हार मान चुकी है भाजपा

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी ने साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार 2024 से पहले ही अपनी हार मान चुकी है। संघर्षशील लोग जेल जाने से नहीं डरते। सच को भला कब तक गिरफ्तार रखा जा सकता है।

बहादुर, मनीष! आपके साथ

डेरेक ओब्रायन सांसद तृणमूल कांग्रेस ने ट्वीट किया, मनीष सिसौदिया अगर खुद को भाजपाई वॉशिंग मशीन बना लेते तो उन्हें कभी अरेस्ट नहीं होना पड़ा। बहादुर, मनीष। सबने बीजेपी का साथ छोड़ दिया। सिर्फ सीबीआई, ईडी, आईटी ही उसके सच्चे साथी हैं। विपक्षी नेताओं को टारगेट उस मायूम जोड़ी का पसंदीदा काम है।

जो सवाल पूछेगा वो होगा गिरफ्तार

उद्धव सेना के सांसद संजय राउत ने भी मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उनका आरोप है कि सिसोदिया के खिलाफ जिस तरह से कार्रवाई हुई है उससे साफ दिखता है कि सरकार से जो सवाल पूछ रहा है उसे ईडी और सीबीआई का डर दिखाकर गिरफ्तार कर लिया जा रहा है। उन्होंने तंज किया कि क्या बीजेपी में सभी हिमालय से आए हुए साधू बैठे हैं। जीवन बीमा , एसबीआई, एलआईसी को किसने लूटा? मनीष सिसोदिया हों या राहुल गांधी हो ये सभी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। इसलिए उनके साथ हो रहा है।

राजनीतिक विरोधियों की आवाज दबाने में लगी है भाजपा : अखिलेश

» बोले-प्रदेश में दबंगई, अपराधी बेखौफ

» यूपी में भाजपा ने कानून व्यवस्था का किया अंतिम संस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सत्ता की पूरी ताकत राजनीतिक विरोधियों की आवाज दबाने में लगा रही है। प्रदेश में दबंगों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। भाजपा सरकार में दिन दहाड़े सड़कों पर अपराध हो रहे हैं। अपराधी बेखौफ हैं। भाजपा सरकार को जनता की समस्याओं और आम जन की सुरक्षा से मतलब नहीं है।

उधर, उन्होंने ट्वीट कर गाजियाबाद की घटना का वीडियो पोस्ट कर लिखा कि यूपी भाजपा ने कानून व्यवस्था का अंतिम संस्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में सरेआम सड़क पर वकील की उसके सरकारी सुरक्षा गार्डों के साथ हत्या हुई। इसी तरह से उनाव के सफीपुर में दबंगों ने 15 साल की छात्रा को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किया। उसके बाद छात्रा की हत्या कर शव पुलिस चौकी से चंद कदम दूरी पर फेंक दिया। क्रूरता की हद पार करते हुए हत्या के बाद शव को वाहन से रौंद दिया। अखिलेश यादव ने चंदौली के चकिया, लखनऊ के मोहनललागंज में छात्राओं के साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए क हा कि देश में सबसे ज्यादा खराब कानून व्यवस्था भाजपा शासित उत्तर प्रदेश की है। सत्ता के नशे में भाजपा नेताओं की आखों पर पट्टी पड़ गयी है। भाजपा की पूरी कोशिश लोकतंत्र को खत्म करने की है। भाजपा सरकार में आम जनता और गरीब को न्याय नहीं मिल रहा है। न्याय मांगने पर लोगों को थाने में डराया और धमकाया जा रहा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार में उत्पीड़न, अन्याय और अत्याचार चरम पर है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी भाजपा सरकार के कुशासन से जनता के मुक्ति दिलाएगी। सड़क से लेकर सदन तक भाजपा का विरोध करेगी। जनता को जागरूक कर आगामी चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल किया जाएगा।

2024 में गई भाजपा सरकार

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया की गिरफ्तारी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट किया कि मनीष सिसौदिया की गिरफ्तारी ने साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार 2024 से पहले ही अपनी हार मान चुकी है। इसलिए अलग-अलग प्रदेशों में विपक्षी राजनीतिक शख्सियतों को झूठे मुकदमे में फंसा रही है। लेकिन संघर्षशील लोग जेल जाने से नहीं डरते। सच को भला कब तक गिरफ्तार रखा जा सकता है।

नेहा सिंह राठौर को मिला मार्कण्डेय काटजू का साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर । प्रसिद्ध लोकगायिका नेहा सिंह राठौर को अब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मार्कण्डेय काटजू का साथ मिला है। नेहा ने सोशल मीडिया पर उनकी टिप्पणी को पोस्ट करते हुए कहा कि यूपी पुलिस की नोटिस को उन्होंने अवैध बताया है। नेहा ने व्यंग्य किया कि मुझे नोटिस मिलने पर खुश होने वालों के लिए यह एक हृदय विदारक सूचना है। इससे पहले नेहा ने रोजगार से जुड़े अपने एक और पुराने गीत को फिर से सोशल मीडिया पर रविवार को पोस्ट किया है।

नेहा ने कहा कि नोटिस पर खुश होने वालों को अंततः निराशा ही मिलेगी क्योंकि मैं आमलोगों के मुद्दे उठाती रहूंगी। कानपुर देहात पुलिस की नोटिस मिलने के साथ ही देश के तमाम वर्गों व व्यक्तियों का समर्थन हासिल कर रहीं नेहा ने रविवार को पोस्ट कर बताया कि उन्हें मार्कण्डेय काटजू का भी साथ मिल गया है। उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ने नोटिस को अवैध बताते हुए आश्वसन दिया है कि भारत की न्यायपालिका न्याय के पक्ष में उनके साथ खड़ी है। नेहा ने सवाल किया कि जिस पीड़ा को परिवार समेत वे झेल रही हैं उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा।

अजनाला हिंसा को लेकर बोले पंजाब सीएम

सीमा पार से हो रही फंडिंग

» गुरुग्रंथ साहिब को ढाल बनाकर की अराजकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। बीते दिनों अजनाला पुलिस स्टेशन में हुए बवाल के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने चुप्पी तोड़ी है। सीएम ने कहा कि कुछ लोग राज्य में शांति व्यवस्था बिगाड़ने के लिए ऐसी हरकतें कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि पंजाब में माहौल बिगाड़ने के लिए सीमा पार से क्रॉस बॉर्डर फंडिंग की जा रही है।

मान ने आरोप लगाया कि ऐसे लोग सीमा पार से वित्त पोषित हैं। जो कि पंजाब राज्य में शांति और प्रगति को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि जो लोग राज्य का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं वे पाकिस्तानी कठपुतलियां हैं। मान और आम आदमी पार्ट की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में के हवाले से कहा गया है, ऐसे लोग राज्य को बर्बाद करने के लिए पाकिस्तान के हाथों की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं। पंजाब पुलिस राज्य के लोगों के हितों की रक्षा करने में सक्षम है। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह पर बोलते हुए सीएम मान ने अजनाला की घटना को अक्षम्य अपराध बताया। सीएम भगवंत मान ने अमृतपाल और उनके समर्थकों के जरिए गुरु ग्रंथ साहिब को अजनाला पुलिस स्टेशन के अंदर ले जाने के कथित कृत्य का जिक्र किया। मान ने कहा कि जिन्होंने सिख पवित्र को ढाल के रूप में लिया। उन्हें उत्तराधिकारी नहीं कहा जा सकता है। सीएम ने इसे अक्षम्य अपराध बताया। उन्होंने कहा कि इसकी सभी को निंदा करनी चाहिए।

अतीक की पत्नी दोषी साबित हुईं तो होंगी बीएसपी से निष्कासित : बसपा सुप्रीमो

» शाइस्ता ने जनवरी में बसपा की सदस्यता की थी ग्रहण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बसपा प्रमुख मायावती ने यह साफ कर दिया कि यदि अतीक अहमद और उनका परिवार उमेश पाल हत्याकांड का दोषी पाया जाता है तो अतीक की पत्नी शाइस्ता को बीएसपी से निष्काषित कर दिया जाएगा। बताते चलें कि शाइस्ता ने इसी साल जनवरी में बीएसपी की सदस्यता ग्रहण की थी और ऐसा माना जा रहा था कि शाइस्ता को निगम चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

बीएसपी प्रमुख मायावती ने ट्वीट कर कहा कि प्रयागराज में राजू पाल की वर्षों पहले हुई हत्या के मुकदमे का अहम गवाह अधिवक्ता उमेश पाल व उनके गनर की हत्या के मामले में अतीक अहमद के लड़के एवं उनकी पत्नी के ऊपर एफआईआर दर्ज किये जाने की भी सूचना प्रकाशित हुई है। बीएसपी ने इसका गम्भीरता से संज्ञान लेते हुये यह निर्णय लिया है कि इस मामले की चल रही जांच में, इनके दोषी साबित होते ही फिर शाइस्ता परवीन, पत्नी अतीक अहमद, को पार्टी से जरूर निष्कासित कर दिया जायेगा।

यूपी में कानून व्यवस्था की खुली पोल

बसपा सुप्रीमो ने राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल और उनके गनर की हत्या को अति दुखद और अति निंदनीय करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना यूपी सरकार के कानून-व्यवस्था के दावों की पोल खोलती है। सरकार मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी उच्च-स्तरीय जांच कराकर दोषियों को सख्त सजा दिलाए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

विपक्षी नेताओं को टारगेट करना जोड़ी का पसंदीदा काम : डेरेक ओब्रायन

» सिसोदिया की गिरफ्तारी पर टीएमसी सांसद का मोदी-शाह पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने सिसोदिया को बहादुर बताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर इशारों-इशारों में निशाना साधा। डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया, मनीष सिसौदिया अगर खुद को भाजपाई वॉशिंग मशीन बना लेते तो उन्हें कभी अरेस्ट नहीं होना पड़ा। बहादुर, मनीष।

राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने आगे लिखा, सहयोगी शिवसेना, अकाली दल, जेडीयू, टीडीपी और अन्य सबने बीजेपी का साथ छोड़ दिया। सिर्फ सीबीआई, ईडी, आईटी ही उसके सच्चे साथी हैं। विपक्षी नेताओं को टारगेट उस मायूम जोड़ी का पसंदीदा काम है।

उज्ज्वला योजना का ऐसा हाल होगा मोदी जी ने सोचा भी न होगा!

गैस की महंगाई, फिर चूल्हे के करीब लाई

» उज्ज्वला योजना की क्या हर कस्बे तक पहुंच रही है

हयात अब्बास/4पीएम न्यूज़

लखनऊ। मोदी सरकार के 8 साल पूरे होने पर देश में क्या कुछ बदला? सरकार की नीतियों और सरकारी योजनाओं में वो बदलाव अग्निपथ पर चलने जैसा ही रहा। जिन योजनाओं की चर्चा सबसे ज्यादा हुई, उनमें एक है उज्ज्वला योजना.. गरीबों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन देने की इस योजना को देश की राजनीति में गेम चेंजर के तौर पर देखा जाता है, लेकिन क्या इस योजना से गांव-शहर और कस्बों में गरीबों की रसोई की दशा कितनी बदली?

महिलाओं की जिंदगी, चूल्हे से शुरू और चिता पर खत्म हो जाती है। मोदी सरकार की योजना के तहत उज्वला योजना से गरीब परिवार को मुफ्त गैस सिलेंडर देने की बात कही गयी है लेकिन कितने परिवार ऐसे है जिनको इस योजना का कोई लाभ नहीं मिला और जिनको मिला वो सिलेंडर रिफिल करने में असमर्थ है। लगातार बढ़ते गैस के दामों ने उन्हें एक बार फिर से चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर कर दिया है। आमतौर पर किसी भी सरकारी योजना का लाभ आम जनता तक पहुंचने में वक्त लगता है, उज्वला योजना शुरू हुए आठ साल हो चुके हैं। लेकिन अभी तक इस योजना के लाभ से कई परिवार वंचित हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े?

अगर हम बात करे आकड़ों की तो अब तक दो करोड़ से ज्यादा परिवार इस योजना का लाभ उठा रहें हैं जबकि धरातल पर इसकी हकीकत कुछ और है। लखनऊ से सटे केवाड़ी गांव में हालत ये है कि आज भी महिलाएं चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हैं। और जिनको सिलेंडर मिला है वो परिवार सिलेंडर में गैस भरवाने के लिए इतने पैसे नहीं होते हैं। जब उन महिलाओं से हमने बात की तो पता चला कि सरकार ने जो उज्वला योजना में मुफ्त गैस सिलेंडर देने की बात कही वो उन तक पहुंची ही नहीं है। केवाड़ी गांव में हमें कुछ घर ऐसे भी मिले जहां सिलेंडर तो मिले लेकिन गैस के बढ़ते दामों के चलते वो गैस भराने में असमर्थ हैं। ऐसे में सरकार ने इस योजना के तहत बड़े दावे किए थे के इस योजना से घर घर सिलेंडर पर खाना बनेगा लेकिन गांव में आज भी मिटटी के चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हैं। इससे ये बात साफ हो जाती है कि कई जिले ऐसे हैं जहां सरकार की योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। और प्राप्त है वहां उनको महंगाई ने इस कदर तोड़ रखा है कि उनको मिले सिलेंडर धूल गर्दा खा रहें हैं । देश में लगातार रसोई गैस की कीमतों में इजाफा हो रहा हैं जिसके चलते सभी वर्ग के लोग परेशान हैं। जो गांव में निवास करते हैं उन परिवारों की दिक्कते कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।

राजस्थान में गहलोत करेंगे वापसी!

भाजपा को पटखनी देने की रणनीति बनाई

» नहर व पुरानी पेंशन को बनाएंगे हथियार

» इसी साल के अंत में होने हैं राजस्थान विस के चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। बजट में राजस्थान प्रदेश के आमजन के लिए कई लोक-लुभावनी घोषणायें करने के साथ ही गहलोत राजनीतिक स्तर पर भी अगला विधानसभा चुनाव जीतने की व्यूह रचन दिया है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दौसा यात्रा के दौरान भी मुख्यमंत्री गहलोत ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री से नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने की मांग की थी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को राजनीति का जादूगर कहा जाता है। राजनीति में उन्होंने अपनी जादूगरी दिखाने में कोई कसर भी नहीं छोड़ी है। कैसी भी स्थिति रही हो गहलोत अपनी राजनीतिक जादूगरी की कुशलता के बल पर सफल रहे है। इसी कारण वह राजस्थान के तीसरी बार मुख्यमंत्री की पारी पूरी करने जा रहे हैं। गत दिनो उन्होंने अपने कार्यकाल का अंतिम बजट पेश किया जिसमें अनेकों लोक लुभावनी घोषणायें की गई है। जिनसे आने वाले चुनाव में लाभ मिल सकता है।

इसी साल के अंत तक राजस्थान में विधानसभा के चुनाव होने हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चाहते हैं कि वह चौथी बार मुख्यमंत्री बन कर राजस्थान में नया रिकॉर्ड बनायें। गहलोत का इस बार पूरा प्रयास है कि 1990 से प्रदेश में हर बार सरकार बदलने की चल रही परिपाटी को भी बदला जाए। इसके लिए गहलोत ने अभी से युद्ध स्तर पर अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने राजस्थान के सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा कर जहां भाजपा को धर्म संकट में डाल दिया है। वहीं पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं छो? रहे हैं। पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में पेयजल व सिंचाई के लिए पूर्वी नहर परियोजना एक वरदान साबित हो सकती है। इन 13 जिलों के करीबन सा? तीन करो? से अधिक लोगों को जहां पीने को मीठा पानी उपलब्ध हो सकेगा। वहीं डे? से दो लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई भी होगी। जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति सुदृ? होगी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सरकार ने 2017-18 के बजट में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की घोषणा की थी। इस परियोजना में राजस्थान के जयपुर, दौसा, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावा? सहित कुल 13 जिले शामिल हैं। इस परियोजना के पूरा होने पर 13 जिलों में पेयजल और सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी। मुख्यमंत्री गहलोत को यह बात अच्छे से पता है कि इन 13 जिलों में ब?त मिलने पर कांग्रेस को दूसरी बार सरकार बनाने से कोई भी नहीं रोक सकता है। इन 13 जिलों में विधानसभा की 83 सीटें आती हैं। जिनमें से अभी कांग्रेस के पास 49 और भाजपा के पास 25 सीटें हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव तक कांग्रेस हर हाल में इस मुद्दे को बनाए रखना चाहती है। जिससे मतदाताओं को अपने पक्ष में कर सके। इसीलिए गहलोत इस नहर परियोजना को लेकर अग्रेसिव होकर राजनीति कर रहे हैं। उन्हें जहां भी मौका मिलता है भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस नहर के मुद्दे को लेकर हमला करने से नहीं चूकते हैं। पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के मतदाताओं को लुभाने के लिए ही गहलोत ने इस बार बजट में नहर के लिये 13 हजार करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है।

सरकारी कर्मचारियों को भी जोड़ेंगे

सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करने के भाजपा पूरी तरह खिलाफ है। प्रधानमंत्री बार-बार पुरानी पेंशन योजना को फिर से बहाल करने पर अपनी असहमति जता चुके हैं। इसी के चलते भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता भी पुरानी पेंशन योजना की मुखालफत कर रहे हैं। मगर हिमाचल प्रदेश के पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की करारी हार से पार्टी के अंदर खाने इस मुद्दे को लेकर चिंता भी जाहिर की जा रही है। हिमाचल प्रदेश में अपने चुनावी घोषणा पत्र में कांग्रेस ने सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना देने का वादा किया था। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को बहुत बड़ी जीत मिली। जिससे कांग्रेस पार्टी के नेता बहुत उत्साहित हैं। हालांकि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत के अन्य कारण भी हो सकते हैं। मगर पुरानी पेंशन योजना बहाली का वादा भी एक बड़ा कारण रहा है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी हर जगह पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग कर रही है। अपने बजट भाषण में भी मुख्यमंत्री गहलोत ने भाजपा के विधायकों से कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समझाएं कि वह कर्मचारियों के हित में पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू करें। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का अनुसरण करते हुए छत्तीसग? एवं झारखंड की सरकारों ने भी अपने सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना देने की घोषणा कर दी है।

गहलोत के लिए किसी युद्ध से कम नहीं अगला विधानसभा चुनाव

अगले विधानसभा चुनाव की पूरी कमान गहलोत के हाथों में ही रहनी है। इसीलिए उन्होंने अपनी सरकार की छवि चमकाने के लिए कई निजी प्रचार एजेंसियों से अनुबंध किया है। यह एजेंसियां अगले विधानसभा चुनाव तक गहलोत सरकार की उपलब्धियां आम जन तक पहुंचाने का काम करेंगी। मुख्यमंत्री गहलोत को पता है कि 25 सितंबर को जयपुर में जो घटनाक्रम हुआ था उससे पार्टी आलाकमान उनसे नाराज है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद भी ठुकरा दिया था। उसके बाद वह आलाकमान की गुडबुक में नहीं रहे हैं। पार्टी आलाकमान को जब भी मौका मिलेगा उनको झटका दिया जा सकता है। ऐसे में वह पार्टी आलाकमान का फिर से विश्वास हासिल करने के लिए राजस्थान में कांग्रेस की सरकार को रिपीट करवाना चाहते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कानून व्यवस्था पर उठा सवाल

> प्रयागराज में मात्र 47 सेकेंड में बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोली चलाई और गवाह को मौत घाट उतार दिया। शुक्रवार को प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड में मुख्य गवाह उमेश पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

प्रयागराज में जिस तरह से दिदहाड़े राजूपाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की गोली व बमों के हमले से हत्या कर गई उससे प्रदेश के कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। इस हत्याकांड की गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। राज्य विधान सभा में सीएम योगी व नेता प्रतिपक्ष के बीच इसी मुद्दे पर तीखी नोक-झोंक भी हुई। पर बात इतनी सी है योगी आदित्य नाथ के प्रशासन पर सवाल तो खड़े किए जाएंगे। उन्होंने ही कहा था प्रदेश को अपराध मुक्त बनाएंगे पर इस घटना से उनके दावे को खोखला साबित कर रहे हैं। प्रयागराज में मात्र 47 सेकेंड में बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोली चलाई और गवाह को मौत घाट उतार दिया। शुक्रवार को प्रयागराज में बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड में मुख्य गवाह उमेश पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इस हत्याकांड से संबंधित एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि 4 बजकर 56 मिनट 28 सेकंड पर बदमाशों ने पहले गोली दागी और 4 बजकर 57 मिनट और 15 सेकेंड पर बदमाश वारदात को अंजाम दे चुके थे। यानी इस वारदात में बदमासों ने मात्र 47 सेकेंड में अंजाम दिया। इतना ही नहीं बदमाश, उमेश पाल की गाड़ी के पीछे कचहरी से ही लग गए थे।सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि उमेश 4 बजकर 56 मिनट और 24 सेकेंड पर अपनी सफेद रंग की क्रेटा कार से घर के बाहर पहुंचे। वह पिछली सीट पर बैठे थे, जैसे ही वे गाड़ी से बाहर निकले तो एक बाइक सवार बदमाश वहां आ पहुंचा और उसने पिस्टल तान दी। वह कुछ समझ पाते, उससे पहले बदमाश ने गोलियां चलानी शुरू कर दी। पहली गोली लगते ही उमेश जमीन पर गिर गए। तभी दूसरा बदमाश भी आ धमका। इसके बाद उसने भी गोलियां चलानी शुरू कर दी, इस दौरान एक गनर को भी गोली लग गई। गोली लगते ही वह भी जमीन पर गिर गए। इस वारदात को जिस तरह योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया है। जिस तरह से उमेश पाल के कार से उतरते ही बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया, इसे देखकर कहा जा रहा है कि बदमाश कचहरी से ही उनका पीछा कर रहे थे और जैसे ही वे कार से उतरे बदमाशों ने अपनी प्लानिंग के मुताबिक वारदात को अंजाम दे दिया। यूपी सरकार के मुखिया को अब ऐसी व्यवस्था करनी पड़ेगी ताकि ऐसी घटनाएं दुबारा न हो। सत्तापक्ष व विपक्ष को मिलकर सोचना होगा कि वो ऐसी कानूनी नीति बनाए जिससे प्रदेश में अमन शांति बनी रहे और आमजन चैन से कहीं भी आ जा सके। अपराधियों में इस बात का डर रहे कि अगर वह गलत करेंगे तो उन्हें इसका अंजाम भुगतना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीएम सरसों की पैरोकारी के अबूझ सवाल

राजेन्द्र चौधरी

अक्तूबर, 2022 में जीएम सरसों की सीमित उद्देश्यों के लिए खुले खेतों में खेती करने की अनुमति दी गई थी। देशभर में इस निर्णय पर बहस खड़ी हो गई, जिसके चलते कुछ समय पहले कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद महानिदेशक ने एक स्पष्टीकरण जारी किया। प्रभावी रूप में यह स्पष्टीकरण कम से कम चार महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े करता है। स्पष्टीकरण में कहा गया है कि 'भारत सरकार ने निर्यात बाजार को ध्यान में रखते हुए बासमती पर कोई ट्रांसजेनिक विकास कार्य नहीं करने का निर्णय पहले ही ले लिया है।'

यह स्वीकारोक्ति है कि दुनिया के अधिकांश देश जीएम फसलों का उपभोग नहीं करना चाहते। इस लिए भारत सरकार बासमती के निर्यात को बनाए रखने के लिए जीएम बासमती नहीं पैदा करना चाहती फिर जीएम धान एवं जीएम सरसों क्यों? जीएम सरसों की अनुमति दी जा चुकी है और हाल में जारी उपरोक्त स्पष्टीकरण के अनुसार जीएम धान पर काम जारी है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जो तकनीक निर्यात के लिए उपयुक्त नहीं, उसी तकनीक से उत्पन्न खाद्य पदार्थ देशवासियों को खाने के लिए क्यों विवश किया जा रहा है? स्पष्टीकरण में यह दावा भी किया गया है कि जीएम सरसों ने परीक्षणों में 28 प्रतिशत ज्यादा पैदावार दी है। परन्तु इसके साथ ही यह आश्वासन भी दिया गया है कि 'वर्तमान में विकसित संकरों और किस्मों के खिलाफ इसके प्रदर्शन का परीक्षण करने पर अगर डीएमएच 11 काफी बेहतर पाया जाता है, तो ही इसे व्यावसायिक खेती के लिए जारी किया जाएगा। यानी स्पष्ट है कि जिस जीएम सरसों के बीज को खुले खेतों में उगाने की अनुमति दी गई है, उसकी पैदावार ब ?ाने की क्षमता पर संशय है एवं अभी तुलनात्मक परीक्षण किये जाने हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि इसे खुले वातावरण में जारी करने की अनुमति ही क्यों दी गई है? क्यों नहीं ये परीक्षण नियंत्रित वातावरण में किये जा सकते, जैसे कि पहले किये गए थे जिनमें 28 प्रतिशत बढ़ोतरी का दावा किया गया है?

सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि 'एहतियाती सिद्धांत के रूप में, जीईएसी ने विकासकर्ताओं को रिलीज के पहले दो वर्षों के दौरान मधुमक्खी और परागणकों पर जीएम सरसों के प्रभाव पर डेटा उत्पन्न करने का निर्देश दिया है।' लेकिन वैश्विक स्तर पर एहतियाती सिद्धांत का मानक अर्थ यह है कि सुरक्षित साबित होने के बाद ही प्रयोग परन्तु यहां अनुमति देने के बाद प्रभावों का अध्ययन किया

जाएगा। ऐसे में दुष्प्रभाव सामने आने पर क्या होगा? दशकों पहले का उदाहरण ही लें तो अमेरिकी गेहूं के साथ आये खरपतवार 'कांग्रेस घास' का कोई उपाय निकला है क्या? जीएम बीजों के साथ सबसे ब ?ा खतरा यही है कि खुले वातावरण में जाने के बाद इन पर कोई नियंत्रण नहीं रहता। बीज की बिक्री रोकी जा सकती है, परन्तु खुले वातावरण में जाने के बाद बीज का प्रजनन, उगना नहीं रोका जा सकता। एक बार खुले खेत में जाने के बाद, पहली बात तो यह कि इस पर किसी का नियंत्रण नहीं होता। दूसरे, यह गैर-जीएम बीजों को भी हमेशा तक और हमेशा के लिए प्रदूषित कर सकता है। किसी भी फसल के जीएम बीजों के खुली हवा में जाने के बाद गैर जीएम बीजों का शुद्ध बने रहना लगभग असंभव है। सचिव की ओर से दिये स्पष्टीकरण में यह स्वीकार करने के बाद कि इस बीज में ऐसा जीन डाला गया है जिस पर खरपतवारनाशी या शाकनाशी का प्रयोग किया जा सकता है, यह कह कर पल्ला झाड़ लिया गया है कि 'केवल संकर बीज उत्पादन कार्यक्रम में शाकनाशी का उपयोग किया जाना चाहिए न कि संकर की व्यावसायिक खेती में, क्योंकि आवेदक द्वारा प्रपत्रों में इस विशेषता का दावा नहीं किया गया है।' ऐसे में यह जानते हुए भी कि इस पर खरपतवारनाशी का प्रयोग किया जा सकता है, इसलिए इस तथ्य को नजरअंदाज किया गया है क्योंकि आवेदक ने इसके खरपतवारनाशी सहनशील होने का दावा नहीं किया है। लेकिन अनुमति पत्र में तो स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिना अनुमति के खेत में खरपतवारनाशी सहनशील इस फसल पर खरपतवारनाशी का प्रयोग करने पर कानूनी करवाई होगी! यह दावा करने के साथ कि जारी किये गए जीएम बीज आवश्यक एवं पर्याप्त जांच में पूरी तरह से सुरक्षित पाये गए हैं यह भी चेतावनी दी गई है कि 'अगर अधिकृत या पूर्व कर्मचारियों द्वारा इस विषय पर प्रकाशित की गई कोई भी राय या लेख नियामक अधिकारियों द्वारा किए गए दस्तावेजों और निर्णयों से अलग है ...सार्वजनिक हित में आवश्यक किसी भी प्रशासनिक प्रक्रिया के अधीन है।' होना तो यह चाहिए था कि अगर सरकार को अपनी जांच पर भरोसा था, तो सारे आंक? सार्वजनिक कर के खुली चुनौती देती, परन्तु यहां तो पूर्व कर्मचारियों तक को सरकारी राय से मतभेद सार्वजनिक न करने की चेतावनी दी जा रही है।

जिद-दिखावे के बीच मां बाप की कसक

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों अपने एक परिचित से बातें हो रही थीं। गांव में रहते हैं। वह अपनी बहन की लड़की की शादी के बारे में बताने लगे। बहन का परिवार गांव में रहता है। बोले कि वहां सारे नाते-रिश्तेदार इकट्ठे हुए थे। शादी की तैयारियां पूरी थीं। बहन ने यह भी बताया था कि अब तक बीस लाख खर्च हो चुके हैं। और अभी तो शादी के बाद हर त्योहार के लेन-देन का खर्च बचा हुआ है। खूब गाना-बजाना, सजावट, संगीत, हल्दी, मेहंदी सब हो रहा था। धूमधाम से बारात भी आ गई। जब लड़की जयमाल डालने आई तो उसे लगा कि दूल्हे ने शराब पी रखी है क्योंकि उसके पैर कुछ लड़खड़ाए थे। यही नहीं, उसके दोस्त लोग मंच पर ही हुल्लड़ कर रहे थे। बस लड़की नाराज हो गई। जयमाल बिना डाले ही वह मंच छोड़कर चली गई और उसने शादी से इनकार कर दिया। बहुत समझाने पर भी नहीं मानी। दूल्हे और उसके परिवार वालों ने कहा भी कि उसने कोई शराब नहीं पी थी, लेकिन लड़की ने किसी की बात नहीं सुनी। उसने शादी से इनकार कर दिया। लड़के-लड़की वालों में कहासुनी भी हुई। पुलिस भी आ गई, लेकिन किसी के समझाने से भी बात नहीं बनी।

अंततः बिन दुल्हन के बारात लौट गई। नाते, रिश्तेदार भी अपने-अपने घर चले गए। गीत-संगीत, बैंडबाजे, नगाड़े, डीजे सबका शोर थम गया था। लेकिन लड़की के माता-पिता के दु:ख और चिंता का अंत नहीं था। खाने के लिए बनाए गए तरह-तरह के पकवान यों ही पड़े थे। सजावट मुंह चिढ़ा रही थी। अब लड़की के माता-पिता को फिर से वही कवायदें दोबारा करनी पड़ेंगी। लड़का देखना, पसंद, नापसंद। शादी की तैयारियां, फिर से निमंत्रण पत्र छपवाना, बैंक्वेट हॉल बुक कराना। नाते-रिश्तेदारों की आवभगत, लेन-देन। इनके लिए दोबारा पैसा कहां से आएगा। पहली बार शादी की तैयारी में जो बीस लाख खर्च हुआ, वह तो पानी में गया ही। परिचित की बातें सुनकर लगा कि अरे इन बातों पर तो ध्यान कभी गया ही नहीं।

एक तरफ लड़कियों के निर्णय लेने की क्षमता अच्छी लगती है, तो दूसरी तरफ उनके माता-पिता और परिवार वालों की परेशानियां सुनकर अफसोस भी होता है। ऐसी बहुत-सी खबरें भी याद आने लगीं जो आजकल अक्सर दिखाई देती हैं। जैसे कि बारात समय पर नहीं आई तो लड़की ने शादी तोड़ दी। लड़का फेरों के वक्त ठीक से बैठ नहीं सका या वह काला था तो लड़की नाराज हो गई। या कि लड़का लड़की से कम पढ़ा-लिखा था, पहाड़ा ठीक से नहीं सुना सका, या नोट ठीक से नहीं गिन सका तो काम से गया। अथवा बारात में दूल्हा इतनी देर तक नाचा कि नाराज लड़की ने किसी और के गले में माला डाल दी। दूल्हे के दांत खराब थे, या कि वरमाला के वक्त वह कम झुका तो भी शादी टूट गई। ऐसी बेशुमार घटनाएं आए दिन प्रकाश में आती हैं जहां बहुत ही मामूली बातों पर लड़कियां शादी तोड़ रही हैं। इन्हें पढ़-सुनकर आश्चर्य भी होता है। बचपन की ऐसी बहुत-सी घटनाएं भी याद आती हैं, जहां किसी मामूली बात पर लड़के वाले बारात लौटा ले जाते थे। पहले लड़के और उनके परिवार वाले किसी की नहीं सुनते थे, अब लड़कियां किसी की नहीं सुन रही हैं। पहले जिस लड़की की बारात लौट जाती थी, उसे समाज के तमाम तरह के ताने सुनने पड़ते थे जबकि लड़की का कोई कसूर नहीं होता था। अब स्थिति बदल गई है।

देखने की बात यह है कि क्या लड़कियों को अपने परिवार वालों की आर्थिक दिक्कतों का पता नहीं होता। लड़कियों की शादी के लिए कितनों के मकान-दुकान-खेत बिकते हैं, गिरवी रखने पड़ते हैं, गहने बेचने पड़ते हैं। भारी-भरकम कर्ज लेना पड़ता है। यह सब लड़कियों के सामने ही होता है, फिर वे इस बात का ख्याल क्यों नहीं रखती हैं। जहां तक इस बात का सवाल है कि लड़की ने लड़के के काला होने, अथवा अनपढ़ होने के कारण विवाह करने से इनकार कर दिया तो इससे यह भी पता चलता है कि लड़के को लड़की ने पहले नहीं देखा, दोनों की मेल-मुलाकात नहीं हुई। यदि ऐसा हुआ होता तो शायद शादी न टूटती, बारात न लौटती। इसके अलावा शादी में होने वाले खर्चे भी इन दिनों बेशुमार बढ़े हैं। माता-पिता ही नहीं, लड़के और लड़कियां भी यही चाहते हैं कि उनकी शादी देखने-दिखाने लायक हो। ऐसी हो कि हमेशा सबको याद रहे। खाने की चीजें इतनी तरह की हों कि खायी न जा सकें। सचमुच कई बार शादियों में इतने तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं कि पेट भरकर खाना तो दूर यदि आधी-आधी चम्मच भी खाएं तो भी न खा सकें। यह एक तरीके से खाने के सामान को बिगाड़ना और भोजन को नष्ट करना है। यों कहा ये जाता है कि अन्न को बिगाड़ना अन्न का अपमान है। साथ ही हम यह भी जानते हैं कि यह सिर्फ हमारे मन का भ्रम ही है कि जरूरत से ज्यादा दिखावा करने से कोई देखने वालों को खुश कर सकता है। बल्कि होता तो यह है कि जितना अधिक दिखावा, उतनी ही अधिक आलोचना।

रही-सही कसर सेलिब्रिटी शादियों को रात-दिन गाने बजाने से भी पूरी हो जाती है। सिर्फ रईसों में ही नहीं, मध्यम वर्ग में भी इन सेलिब्रिटीज के विवाहों को देखकर ऐसे ही विवाह करने का चलन हो चला है। कियारा ने कैसे कपड़े पहने, सिद्धार्थ ने क्या पहना, कौन से भोजन परोसे गए, डेस्टीनेशन वेडिंग कहां पर किया गया, किस डिजाइनर ने कपड़े बनाए, किसने जेवर, किन फूलों से सजावट की गई थी, कहां से मंगाए गए थे, किन शैफों ने खाना पकाया था, आदि बातों को देखकर युवा भी ऐसा ही करना चाहते हैं। वे माता-पिता पर भी इसका दबाव बनाते हैं।

चेहरे के दाग-मुहांसे हटाता है

आयुर्वेद में नींबू को महत्वपूर्ण फल माना जाता है, जिसे सर्वश्रेष्ठ रोग नाशक और रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले फल के तौर पर विशेषज्ञ मान्यता देते हैं। त्वचा पर होने वाले दाग-धब्बे और मुहांसे की समस्या से अक्सर लोग परेशान होते हैं। इसका सस्ता और फायदेमंद इलाज है नींबू। एक चम्मच मलाई में एक चौथाई नींबू निचोड़ कर रोज चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे की रंगत साफ होती है और मुहांसों से भी राहत मिलती है। लगभग एक महीना ऐसा करने से आपको असर दिखने लगेगा।

नींबू बालों को झड़ने से रोकने में सहायक

नींबू को घरेलू उपचार और दवा के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। अगर गंजेपन की शिकायत हो रही है तो नींबू बहुत फायदेमंद हो सकता है। इससे बाल झड़ना रुक जाते हैं। पके केले में नींबू का रस मिलाकर उसका पेस्ट बना लें और नियमित सिर की जड़ों में लगाएं। गंजापन दूर होता है। नींबू के रस को आंवला पाउडर के साथ मिलाकर भी बालों में लगा सकते हैं, इससे रूसी खत्म होती है और बाल काले व लंबे होते हैं।

बहुत गुणकारी है नींबू का रस

हमारे भारतीय किचन में ही ऐसी कई खाद्य सामग्रियां हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं। इनके उपयोग से कई तरह की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है और कई बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। इन्हीं खाद्य सामग्रियों में से एक है नींबू। नींबू कई औषधीय गुण से भरपूर होता है। चेहरे के दाग-धब्बों और मुहासों से लेकर सेहत से जुड़ी अन्य समस्याओं में आप नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं। नींबू में विटामिन सी होता है। पोषक तत्वों से भरपूर नींबू के कई फायदें हैं।

खट्टी डकारें

सही खान पान न होने से खाना पचता नहीं है, जिसके कारण शरीर में अम्लता बढ़ती है और खट्टी डकारे आने लगती हैं। इसे दूर करने के लिए पीना में नींबू का रस, चीनी और थोड़ा नमक मिलाकर पीने से राहत मिलती है।

वजन घटाने में सहायक

वजन कम करने या मोटापा घटाने के लिए नींबू का रस लाभकारी है। रोजाना सुबह एक गिलास पानी में एक नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर सेवन करने से वजन कम होता है।

कई समस्याओं में देता है राहत

कब्ज से राहत

अगर आपको पाचन या पेट संबंधी समस्या है तो आप नींबू के रस का सेवन कर सकते हैं। सुबह उठकर खाली पेट दो गिलास पानी में एक नींबू और थोड़ा नमक डालकर पीएं। शाम में भी नींबू नमक का पानी पीएं। ऐसा करने से कब्ज से राहत मिलेगी। इसके अलावा अगर आपको उल्टी आ रही हो तो आधे कप पानी में नींबू के रस, जीरा और एक इलायची के दाने को पीसकर मिलाएं। दो घंटों के अंतराल में इसे पीने से उल्टी बंद हो जाती है। पेट दर्द से राहत पाने के लिए अजवाइन, जीरा और चीनी को बराबर मात्रा में बारीक पीस लें। नमक और थोड़ा नींबू का रस मिलाकर गर्म पानी के साथ खाएं।

दांत दर्द से राहत

अगर दांत में दर्द हो रहा है तो 2-3 लौंग पीसकर इसमें नींबू का रस मिला लें और प्रभावित दांत में लगाकर हल्की उंगली से मले। नींबू कई तरह के दर्द में भी फायदेमंद होता है। पेट दर्द हो या दांत दर्द, जोड़ों व कान के दर्द में नींबू के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं। जोड़ों में दर्द की समस्या से परेशान है तो नींबू के रस की मालिश करने या नींबू का पानी पीने से फायदा मिलता है।

हंसना मना है

एक औरत अपनी कुछ परेशानियों को लेकर एक बाबा के डेरे में पहुंची। बाबा ने सारी परेशानियों को बड़े गौर से सुना। फिर बोले बेटी... इसका हल निकल जाएगा, सब ठीक हो जाएगा, लेकिन इसके लिए कुछ खर्च आएगा। औरत ने पूछा- कितना खर्च आएगा? बाबा- तुमसे मैं ज्यादा तो नहीं ले सकता, लेकिन पुराणों के अनुसार हमारे कुल 33 करोड़ देवी देवता हैं, बस सबके नाम से एक-एक पैसा दान कर देना। औरत ने मन ही मन कैलकुलेट किया तो बाबा के हिसाब से कुल खर्च 33 लाख रुपये आता था, औरत भी चालाक थी। उसने कहा ठीक है बाबाजी, आप बारी-बारी से सबका नाम लीजिए, मैं एक-एक पैसा रखते जाऊंगी। बाबा डेरे में ही बेहोश हो गए।

पत्नी- मेरे बाल सफेद होते जा रहे हैं, व्हाट शुड आई डू? पति- यू शुड डाई... लेकिन पत्नी कुछ और समझ के कर दी पतिदेव की धुनाई...

पड़ोसन- बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है ,कितने का पड़ा? दूसरी महिला- ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना धोना, पड़ोसन- अभी अपने पति से रूठ जाती हूं।

कहानी | बूढ़ा आदमी, युवा पत्नी और चोर

एक गांव में सूरज नाम का किसान अपनी पत्नी के साथ रहता था। किसान बूढ़ा था, लेकिन उसकी पत्नी जवान थी। इसी वजह से किसान की पत्नी दुखी रहती थी। वो हमेशा अपने ही जैसे जवान पुरुष से शादी करने की चाहत मन में रखती थी। महिला के मन की बात को एक चोर समझ गया। एक दिन उसने किसान की पत्नी को एक झूठी कहानी सुनाई। चोर ने कहा कि सालों पहले मेरी पत्नी मुझे छोड़कर चली गई थी। अब मैं अकेला हूं। मैं तुम्हारी सुंदरता पर मोहित हो गया हूं और तुम्हें अपने साथ शहर ले जाना चाहता हूं। स्त्री यह सुनते ही खुश हो गई। वो फटाफट बोली कि ठीक है मैं तुम्हारे साथ चलूंगी, लेकिन मेरे पति के पास बहुत धन है। पहले मैं उसे ले आती हूं। उन पैसों से हम जीवनभर आराम से रहेंगे। यह सुनकर चोर ने कहा कि ठीक है तुम जाओ और लौटकर इसी जगह आना मैं तुम्हारा इंतजार करूंगा। स्त्री घर पहुंची, तो देखा कि पति गहरी नींद में था। महिला ने सारे जेवर और नकदी को पोटली में बांधा और चोर के पास चली गई। उसके पहुंचते ही दोनों दूसरे शहर की ओर निकल गए। कुछ दूर चलने के बाद रास्ते में एक नदी मिली। नदी को देखते ही चोर को एक तरकीब सूझ गई। वह महिला से बोला कि देखो, नदी गहरी है। इसे मैं तुम्हें पार करवाऊंगा, लेकिन पहले मैं यह पोटली नदी के उस पार रखूंगा फिर तुम्हें साथ ले जाऊंगा। स्त्री को चोर पर पूरा विश्वास था उसने कहा कि हां, ऐसा करना ठीक रहेगा। फिर चोर ने कहा कि देखो, तुमने भारी जेवर पहने हैं। ये जेवर भी तुम मुझे दे दो, ताकि तुम्हें नदी पार करने में कोई बाधा न हो। यह सुनते ही किसान की पत्नी ने अपने सारे जेवर चोर को दे दिए। पोटली लेकर चोर नदी के पार चला गया। महिला उसके लौटने का इंतजार करती रही, लेकिन वो फिर कभी लौट कर नहीं आया। अब महिला को बहुत दुख हुआ और उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, लेकिन पछतावे के लिए तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसका सारा पैसा और जेवर लेकर चोर जा चुका था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज किसी बात को जानने के लिए मन उत्साहित रहेगा। खुद की मेहनत से परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने में कामयाब होंगे। किसी जरुरी काम में आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ आज आप लड़ाई-झगड़े से दूरी बनाकर रखेंगे। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं। आर्थिक रूप से सुरक्षित रहेंगे और संपत्ति में निवेश कर सकते हैं।

मिथुन आज परिवार के छोटों से आपको प्रेम मिलेगा और परिवार का माहौल भी बढ़िया रहेगा और काम के सिलसिले में आपको अच्छे अच्छे नतीजे हासिल होंगे।

कर्क आज बिजनेस के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ेगी। आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आज किसी से बात करते समय आपको विनम्र स्वभाव का प्रयोग करना चाहिए।

सिंह आज व्यर्थ की परेशानियों में अपना दिन न खराब करें। आप अपनी बात रखने के लिए बहुत तैश में आ सकते हैं। दाम्पत्य जीवन प्रेमपूर्वक व्यतीत होगा।

कन्या आज भी आपके खर्चों में तेजी बनी रहेगी जो कि शाम तक जारी होगी। उसके बाद स्थिति सुधरेगी। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा और एक दूसरे अच्छे से समझ पाएंगे।

तुला आज किसी खास काम के लिए मन में कोई नया विचार आयेगा, जिससे आप जल्द ही काम शुरू करेंगे। हनुमान मंदिर में सिंदूर भेंट करें, रोजगार के अवसर प्राप्त होंगें।

वृश्चिक आज पढ़ाई लिखाई में तरक्की होगी। काम में मन नहीं लगेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकता है। छोटी-छोटी बातों में तनाव रिश्तों को कमजोर कर सकता है।

धनु आज आपको थोड़ा ध्यान से रहना होगा क्योंकि कई बनते हुए काम अटक सकते हैं। भाग्य कमजोर रहेगा और इस वजह से स्थिति में उतार-चढ़ाव आ सकता है।

मकर आज अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिये कुछ अच्छे मौके मिलेंगे। घर के किसी काम को लेकर कोई बड़ा फैसला लेंगे। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिलेगी।

कुम्भ भाई-बहनों के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। आज मन प्रसन्न रहेगा। बहुत दिनों के बाद किसी अपने से मिलने का मौका मिलेगा। नवीन कार्य की शुरुआत आज लाभकारी रहेगी।

मीन आज आपको अपने खर्चों पर लगाम लगानी पड़ेगी नहीं तो स्थितियां आपके हाथ से निकल सकती हैं। इनकम में कमी रहेगी। दांपत्य जीवन के रिश्ते में प्रेम बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बुरे वक्त में साहस दिलाती थीं मेरी मां: अक्षय कुमार

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म सेल्फी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अक्षय कुमार की फिल्म 24 फरवरी को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई है। सोशल मीडिया पर लोग फिल्म को लेकर अपने रिव्यू दे रहे हैं। कुछ लोगों को फिल्म खास पसंद नहीं आई है। इसी बीच एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार अपनी मां को याद करके इमोशन हो गए। अक्षय कुमार ने एक इंटरव्यू में अपनी मां अरुणा भाटिया संग अपनी बॉन्डिंग को लेकर बात की है। एक्टर ने बताया था कि वह रोजाना शूटिंग खत्म करने के बाद मां के कमरे में सो जाते थे। मां से बात किए बिना उनका दिन पूरा नहीं होता था। इंटरव्यू में सवाल किया अगर उनकी मां होती तो उनकी फ्लॉप फिल्मों पर किस तरह से रिएक्ट करती है। इस सवाल का जवाब देते हुए अक्षय कुमार भावुक हो गए। बोले- मेरी मां की एक फेमस लाइन था। फिक्र मत कर पुत्तर, बाबाजी तेरे नाल हैं। बता दें कि अक्षय कुमार की मां का साल 2021 में निधन हो गया।

अक्षय कुमार के वर्कफ्रंट की बात करें तो सेल्फी उनकी साल 2023 की पहली फिल्म है। अक्षय कुमार जल्द ही कैप्सूल गिल, ओएमजी 2, गोरखा और बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगे। सेल्फी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर अभी कुछ खास रिव्यू नहीं मिले है। साल 2022 में अक्षय कुमार की 5 फिल्म रिलीज हुई। उनकी सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस फ्लॉप हुई थी। साल 2022 अक्षय कुमार के लिए कुछ खास नहीं रहा।

टीना दत्ता को मिला 'मेरे अपने' में जय भानुशाली के साथ लीड रोल

टीवी एक्ट्रेस टीना दत्ता बीते दिनों बिग बॉस के सीजन 16 में नजर आई थी। जिसके बाद से एक्ट्रेस लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसके अलावा शालीन भनोट संग रिश्ते को लेकर भी चर्चा का विषय बनी रही थी। टीना ने टीवी शो उतरन से पॉपुलैरिटी हासिल की थी। इस सीरियल के कारण टीना घर घर पहचानी जाने लगी थी। आपको बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरें अपने फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

वहीं, हाल ही में अपडेट सामने आया है कि टीना जल्द ही जय भानुशाली के साथ एक शो में नजर आ सकती हैं।

दरअसल, बताया जा रहा है कि टीना जय भानुशाली के साथ मेरे अपने शो में नजर आ सकती हैं। इस सीरियल में

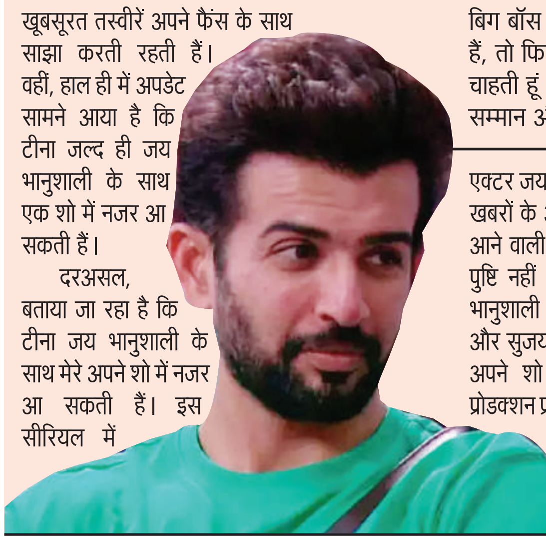

लाइफ पार्टनर पर टीना ने की बात

वहीं, बीते दिनों एक्ट्रेस टीना ने अपने लाइफ पार्टनर को लेकर एक इंटरव्यू के दौरान बात की थी। उन्होंने कहा था कि फिलहाल उन्हें कोई नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं काम करना चाहती हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं शादी और बच्चे करना चाहती हूं, लेकिन बिग बॉस के दौरान मुझे कई तकलीफें मिली हैं, तो फिलहाल मैं प्यार के लिए इंतजार करना चाहती हूं। कोई होना चाहिए लाइफ में जो मुझे वो सम्मान और प्यार दे, जिसके मैं काबिल हूं।

एक्टर जय भानुशाली लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच खबरों के अनुसार टीना भी इस शो में लीड रोल में नजर आने वाली हैं। फिलहाल इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि इस शो में टीना और जय भानुशाली के अलावा शब्बीर, चेष्टा भगत, मोहित दुसेजा और सुजय रेऊ नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक मेरे अपने शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन स्वास्तिक प्रोडक्शन प्राइवेट के द्वारा बनाया जाएगा। यह प्रोडक्शन हाउस अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो, महाभारत, और राधा कृष्ण जैसे सीरियल के लिए जाना जाता है।

अपनी फिल्म के पोस्टर सड़कों पर लगे देख भड़के पंकज त्रिपाठी

हिंदी फिल्म जगत में अपने नायाब अभिनय से खास पहचान बनाने वाले पंकज त्रिपाठी आज जिस मुकाम पर हैं, उसके पीछे उनकी मेहनत की लंबी कहानी है। एक्टर ने बिहार की गलियों से निकलकर मुंबई में अपनी पहचान बनाई और ऐसे एक्टर बन गए जिनकी तस्वीरें, पोस्टर हर जगह देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार एक्टर अपनी ही फिल्म का एक पोस्टर देखकर बुरी तरह से भड़क पड़े हैं। चलिए जानते हैं कि क्या है ये मामला।

एक पोस्टर ने पंकज त्रिपाठी काफी परेशान कर दिया है। हाल ही में मुंबई की सड़कों पर पंकज की एक पुरानी फिल्म आजमगढ़ के पोस्टर लगे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो पंकज अब अपनी इस फिल्म के पोस्टर को देखकर इतने नाराज हो गए हैं कि वह इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की सोच रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि पंकज की इस फिल्म को 2019 में शूट किया गया था। इसके पोस्टर में पंकज का एक अलग लुक नजर आ रहा है। इस अपनी इस फिल्म को पंकज त्रिपाठी ने मीडिया चैनल को बताया कि यह एक शॉर्ट फिल्म है, जिसकी शूटिंग पर वह सिर्फ 3 दिन ही गए थे।

उन्होंने इस फिल्म के लिए फीस भी नहीं ली। साथ ही इस फिल्म में उनका रोल कुछ ही देर का है। ऐसे में जिस हिसाब से इस फिल्म का प्रचार किया जा रहा है उससे यही लग रहा है कि वे इस फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। पंकज का कहना है कि फिल्म के निर्देशक के साथ उनकी बात चल रही है कि वह उनके नाम पर अपनी फिल्म का प्रचार ना करें अगर वह नहीं मानते हैं तो वह कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। फिल्म के निर्देशक कमलेश कुमार मिश्रा हैं, जिनको एक डॉक्यूमेंट्री के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिल चुका है। वहीं, इस पूरे मामले पर कमलेश कुमार मिश्रा का कहना है कि यह एक शार्ट फिल्म है। पहले यह फिल्म 75 मिनट की बनी थी, लेकिन शूटिंग शुरू होने के बाद यह 90 मिनट की फिल्म बन गई।

बॉलीवुड | मसाला

इस शहर में होती है अनोखी होली जिंदा लोगों की निकलती है अर्थी

वैसे तो देश में अलग-अलग जगहों पर भिन्न-भिन्न तरीकों से होली मनाई जाती है। लेकिन, भीलवाड़ा में एक ऐसी परंपरा है जो काफी हैरान करती है। यहां होली के सात दिन बाद शीतला सप्तमी को विशेष ढंग से होली खेली जाती है। इस दिन जिंदा लोगों की शव यात्रा निकाली जाती है। अर्थी पर एक जिंदा व्यक्ति को लिटाया जाता है, जिसकी शव यात्रा भीलवाड़ा शहर के चित्तौड़ वाले हवेली से शुरू करके मुख्य मार्गों से निकाली जाती है। इस शवयात्रा को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं।

लोग अर्थी के आगे ढोल-नगाड़े के साथ नाचते गाते और अश्लील फब्तियां कसते हुए चलते हैं और अंत में बड़े मंदिर के पास बाहर आकर यह यात्रा खत्म हो जाती है। इससे पहले मुर्दा बना युवक उठकर भाग जाता है और बाद में अर्थी का अंतिम संस्कार कर दिया जाता है। असल में लोगों को सुख-दुख में मजबूत रहने और खुशी के साथ जीवन यापन करने का संदेश इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। भीलवाड़ा के मोतबीर बहरूपिया जानकीलाल भांड ने बताया भीलवाड़ा में करीब 500 साल से यह इलाजी की डोल निकाली जाती है। शहर में रहने वाली गेंदार नाम की एक वेश्या ने इस परंपरा की शुरुआत की थी। गेंदार की मौत के बाद स्थानीय लोग अपने स्तर पर मनोरंजन के लिए यह यात्रा निकालने लगे। संदेश था अपने अंदर की बुराइयों को निकालकर उनका अंतिम संस्कार कर देना अच्छी बात है।

अजब-गजब | साल 1916 में लिखा गया था इस पत्र को

100 साल बाद सही पते पर पहुंची चिट्ठी

कुछ साल पहले तक लोग संदेश को एक दूसरे तक पहुंचाने के लिए पत्र का इस्तेमाल करते थे। वर्तमान समय में लोग अपने संदेश को एक दूसरे तक पहुंचाने के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं। चिट्ठी पर कई गाने और शायरियां भी लिखी गई हैं। बीते समय में लोगों को अपने पत्र का बेसब्री से इंतजार रहता था। कभी-कभी पत्र पहुंचने में समय लग जाता था, तो लोग परेशान हो जाते थे और डाकिया का इंतजार करते रहते थे। अब इन दिनों एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने लोगों को पुराने जमाने के पत्र की याद दिला दी है। दरअसल लंदन में एक शख्स के घर एक चिट्ठी पहुंची, लेकिन उसे इस पत्र को देखकर खुशी नहीं हुई, बल्कि हैरान हुई है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि पत्र 100 साल पुराना है और एक सदी के बाद सही पते पर पहुंचा।

अब आप सोचिए व्हाट्सएप और एसएमएस के जमाने में आपके घर 100 साल पुराना लेटर पहुंचेगा, तो आप क्या सोचेंगे? लंदन में रहने वाले शख्स के घर जब 100 साल पुराना पत्र पहुंचा, तो वह भी हैरान रह गया। साल 1916 में इस पत्र को लिखा गया था, जो अब अपने सही पते पर पहुंच पाया। इस पत्र को इंग्लैंड के बाथ शहर से लिखा गया था और उस पते पर रहने वाले लोग हैरान रह गए।

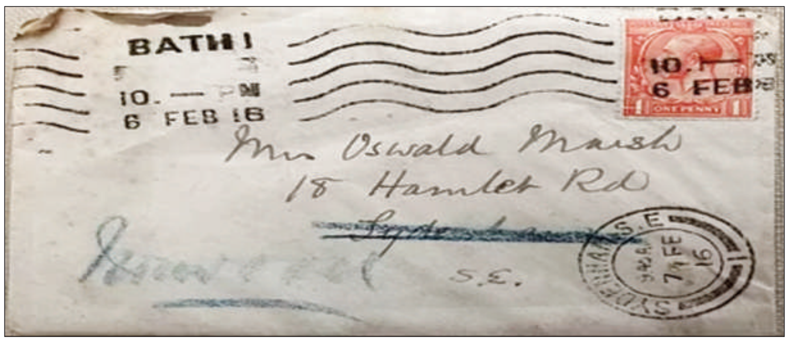

इस पत्र पर पेनी जॉर्ज वी का स्टैंप लगा हुआ है जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह पत्र पहले विश्व युद्ध के दौरान लिखा गया था। थियेटर डायरेक्टर फिन्ले ग्लेन ने एक मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्होंने सोचा कि इस पत्र को साल 2016 में लिखा गया होगा, क्योंकि उस पर सिर्फ साल 16 लिखा है, लेकिन जब गौर से देखा तो क्वीन की जगह किंग का स्टैंप लगा था। इससे वह समझ गए कि यह साल 1916 का पत्र है। यह पत्र कुछ साल पहले अपने पते पर पहुंचा था, लेकिन इसके इतिहास को जानने में फिन्ले ग्लेन को समय लग गया। इसके बाद अब उन्होंने लोकल हिस्ट्री ऑर्गनाइजेशन को यह पत्र सौंप दिया है जिससे इससे आगे की जानकारी का पता लगाया जा सके। ग्लेन ने लोकल हिस्ट्री मैग्जीन, द नॉरवुड रिव्यू के संपादक स्टीफन ऑक्सफोर्ड को यह चिट्ठी दिखाई। उन्होंने बताया कि यह पत्र किसी केटी मार्श नाम की महिला को लिखी गई थी। महिला की शादी अपने जमाने के प्रसिद्ध स्टांप डीलर ऑस्वल्ड मार्श के साथ हुई थी। मार्श की दोस्त क्रिस्टाबेल मेनेल ने यह पत्र उनको लिखा था। इस पत्र में उन्होंने शर्मिंदा होने की बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने भयानक ठंड की बात भी बताई है जहां वह रहती थीं। मेनल एक अमीर चाय के व्यापारी की बेटी थीं। ऑक्सफोर्ड के मुताबिक, उस समय यह पत्र किसी पोस्ट ऑफिस में खो गया होगा और अब यह नवीनीकरण के दौरान मिला और उन्होंने इसे सही पते पर भेज दिया।

कांग्रेस तानाशाही और सांप्रदायिकता से जोरदार तरीके से लड़ेगी: राहुल गांधी

» बोले- हम सत्याग्रही, भाजपा और आरएसएस सत्ताग्रही हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस के लोग सत्याग्रही हैं, जबकि भाजपा-आरएसएस के लोग 'सत्ताग्रही' हैं। कांग्रेस सांसद ने चीन को भारत से बड़ी अर्थव्यवस्था बताने के बारे में विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को कायरतापूर्ण बताते हुए कहा, आजादी के आंदोलन के दौरान ब्रिटेन के मुकाबले भारत की अर्थव्यवस्था कहीं नहीं थी, लेकिन इससे आजादी के आंदोलन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। राहुल ने कहा-पीएम ने संसद में बयान दिया कि उन्होंने कुछ लोगों को लेकर लाल चौक पर तिरंगा फहराया था।

आपने लोगों से भारतीय तिरंगे के प्रति प्यार छीन लिया, हमने उनमें वह प्यार फिर से जगाया। कांग्रेस ने कहा कि वह विधानसभाओं और संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस ने यह वादा करते हुए कि वह यह सुनिश्चित करते हुए कानून पारित करने का प्रयास करेगी कि यह एक समावेशी आरक्षण है जो पिछड़े, दलित और युवा महिलाओं के लिए होगा।

'भारतीय जनता पार्टी और संघ के खिलाफ जंग और तेज होगी'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महाधिवेशन के समापन संबोधन में कहा, भाजपा-आरएसएस के साथ विचारधारा की लड़ाई आगे और तेज होगी। उन्होंने मित्रवादी पूंजीवाद (क्रोनी कैपिटलिज्म) से देश को बचाने का भी आह्वान कांग्रेस कार्यकर्ताओं से किया। कहा, पीएम मोदी देश का पैसा एक व्यक्ति को दे रहे हैं। कुछ लोग मिलकर देश की संपदा लूट रहे हैं।

'कार्यकर्ताओं में साहस सरकार को देंगे चुनौती'

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं में सरकार के खिलाफ संघर्ष का साहस है और आज यह साहस प्रदर्शित करने का समय आ गया है। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों से लोगों को उम्मीदें हैं, लेकिन सबसे अधिक उम्मीदें कांग्रेस से है।

देशव्यापी विरोध की तैयारी

अडानी-हिंडनबर्ग मुद्दे पर सरकार पर अपने हमले को तेज करने के लिए कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाइयों को राज्यों में विभिन्न स्तरों पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने के लिए कहा है। कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने अपना आंदोलन तेज करने और इस मुद्दे को सीधे लोगों के बीच ले जाने का फैसला किया है। वेणुगोपाल ने कहा कि सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों (पीसीसी) को सभी जिलों में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के लिए कहा गया है, जिसे राज्य के वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे और इसके बाद सभी राज्य इकाइयां विभिन्न स्तरों पर आंदोलनकारी गतिविधियों का आयोजन करेंगी।

किसानों को दिलाएंगे एमएसपी कानून की गारंटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। किसानों और कृषि श्रमिकों को कांग्रेस अपनी नीतियों के केंद्र में रखेगी और नीतियां सिर्फ उत्पादन लक्ष्य हासिल करने तक सीमित नहीं रहेंगी। किसानों को कर्ज से राहत और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी जैसे उपायों से सुरक्षा प्रदान की जाएगी। पार्टी के 85वें महाधिवेशन के अंतिम दिन जारी घोषणापत्र रायपुर की हुंकार में यह बात कही गई। इसी

कांग्रेस का 85वां महाधिवेशन समाप्त, घोषणा पत्र भी किया जारी

के साथ वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सरलीकरण का भी वादा किया गया।

कांग्रेस ने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को एक बार फिर से अपने साथ जोड़ने के लिए पार्टी महाधिवेशन में वादों की झड़ी लगा दी। पार्टी ने कहा कि सत्ता में आने पर वह अनुसूचित जाति-जनजाति, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों को भेदभाव से बचाने के लिए एक विशेष कानून लाएगी। पार्टी महाधिवेशन में सामाजिक न्याय व अधिकारिता पर पारित प्रस्ताव में यह वादा किया गया है। इस कानून को रोहित वेमुला कानून नाम दिया जाएगा। इसके अलावा 4,000 किमी लंबी भारत जोड़ो यात्रा का श्रेय राहुल को दिया गया।

फोटो:4 पीएम

भोज विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने आवास पर भोज का आयोजन किया। स्पीकर सतीश महाना के आवास पर आयोजित इस भोज कार्यक्रम में पक्ष-विपक्ष के सभी विधायक मौजूद रहे। विधानसभा सत्र के दौरान बढ़ी तल्खी के बाद सीएम योगी, अखिलेश यादव, शिवपाल सिंह एक साथ नजर आए।

एलजीबीटी समुदाय ने निकाली अवध गौरव यात्रा

» हिंसा और भेदभाव के विरोध में जमकर की नारेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर एलजीबीटी समुदाय के लोगों का मजमा लगा। लखनऊ में एलजीबीटी के लोगों ने अवध गौरव यात्रा 2023 निकाली। इस दौरान सड़कों पर उतरे एलजीबीटी के लोगों ने जमकर नारेबाजी की। उन्होंने अपने अधिकारों को लेकर सड़क पर जमकर नारेबाजी की। ये गौरव यात्रा हर साल इस समुदाय द्वारा निकाली जाती है।

इसी कड़ी में निकली अवध गौरव यात्रा 2023 इस यात्रा का सातवां संस्करण थी। अप्रैल के महीने में हर साल यह गौरव यात्रा निकलती है जिसमें एलजीबीटी के सैंकड़ों लोग शामिल होते हैं। लखनऊ में दैनिक जागरण चौराहे से 1090 चौराहे तक निकाली गई इस अवध गौरव यात्रा में हिंसा और

फोटो: सुमित कुमार

भेदभाव के विरोध में जमकर नारेबाजी हुई।

प्रदेश भर से सैकड़ों की संख्या में एलजीबीटी समूह के लोग लखनऊ पहुंचे और इस यात्रा में शामिल हुए। एलजीबीटी के झंडे तले इस समुदाय के सैंकड़ों लोग इकट्ठा हुए और अपने हक-अधिकारों को लेकर लोगों को जागरुक किया।

दरअसल, एलजीबीटी लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर का संक्षिप्त स्वरूप है। 1990 के दशक के बाद से यह इन समुदायों के अधिकारों की बात का एक मंच बन चूका है। यह एक अभियान की तरह है जो सामान्य रूप, कामुकता और लिंग पहचान के लिए एकछत्र शब्द के रूप में कार्य करता है।

ऑस्ट्रेलिया की महिलाएं बनीं टी-20 विश्व कप चैंपियन

» दूसरी बार खिताबी हैट्रिक लगाई, बनी गार्डनर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केप टाउन। ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 19 रन से हराकर छठी बार खिताब अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम का यह सातवां टी20 विश्व कप फाइनल था और उन्होंने छठी बार ट्रॉफी जीती। 2009 में इंग्लैंड और 2016 में वेस्टइंडीज ने यह खिताब अपने नाम किया था। केप टाउन के न्यूलैंड्स में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 156 रन बनाए।

बेथ मूनी ने 53 गेंदों में 74 रन की नाबाद पारी खेली। जवाब में दक्षिण

अफ्रीका की टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 137 रन बना सकी। एल वोल्वार्ड्ट ने 48 गेंदों में 61 रन बनाए। उनके 17वें ओवर में आउट होते ही दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। ऑस्ट्रेलियाई टीम इससे पहले 2010, 2012, 2014, 2018 और 2020 में चैंपियन बन चुकी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी बार महिला टी20 विश्व कप में खिताबी हैट्रिक लगाई है। इससे पहले टीम ने 2010, 2012 और 2014 में लगातार तीन बार खिताब जीते थे। वहीं, अब 2018, 2020 और 2023 में खिताब जीते हैं। पुरुष या महिला क्रिकेट मिलाकर पहली बार किसी टीम ने आईसीसी टूर्नामेंट में दूसरी बार खिताबी हैट्रिक लगाई है। ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनीं, जबकि बेथ मूनी को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया। 2009 से महिला टी20 विश्व कप खेला जा रहा है और तब से आठ बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। इनमें से अकेले ऑस्ट्रेलिया ने छह बार खिताब जीता है। 2009 में इंग्लैंड और 2016 में वेस्टइंडीज ने यह खिताब अपने नाम किया था। यह कुल मिलाकर ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम द्वारा जीता गया 13वां आईसीसी खिताब है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम सात बार वनडे विश्वकप (1978, 1982, 1988, 1997, 2005, 2013, 2022) भी जीत चुकी है।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

भाजपा जिलाध्यक्ष के भाई को खबर नहीं आई पसंद, पत्रकार पर करवाई फायरिंग

» कानून-व्यवस्था फिर ताक पर, बदमाशों ने गोली मारकर किया घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार के राज में कानून व्यवस्था के हाल पर विधानसभा में हंगामा होता है। सीएम व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के बीच तीखी नोक झोंक होती है पर बाहर बदमाश अब भी बेखौफ हैं। पुलिस का कोई डर नहीं है। ताजा मामला जौनपुर का है। जहां रविवार को पत्रकार को बदमाशों ने गोली मार दी। ज्ञात हो कि इस हमले में भाजपा के स्थानीय नेता का नाम आ रहा है। जौनपुर के इस बेचारे पत्रकार को पता ही

नहीं था कि भाजपा जिलाध्यक्ष के भाई को जो खबरें पसंद ना हो वो नहीं चलाना चाहिए! इन्होंने खबर चला दी उनको गुस्सा आ गया! पत्रकार साहब गोली खा गये ! अब इतना तो ध्यान देना ही चहिये कि सत्ता से जुड़े लोगों से दूर रहे सिर्फ उनकी तारीफलिखे !

बदमाशों ने इस तरह घटना को दिया अंजाम

घटना के अनुसार लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चांदपुर बालू मंडी में रविवार की शाम बाइक सवार बदमाशों ने इलेक्ट्रानिक मीडिया से जुड़े एक पत्रकार को गोली मारी। गोली दाहिने हाथ की उंगली में और पेट पर लगी लगी है। घटना उस समय हुई जब वह अपने कार्यालय के बाहर बैठकर फोन पर किसी से बात कर रहे थे। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भिजवाया। थाना क्षेत्र के किशुनपुर निवासी देवेंद्र खरे (42) एक न्यूज चैनल में बतौर जिला संवाददाता हैं। शाम को अपने कार्यालय के बाहर वह फोन पर वह बात कर रहे थे तभी बाइक सवार दो बदमाश पहुंचे और फायरिंग कर दी। जिससे वह घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। पहुंची पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल भिजवाया। वहां पुलिस अधीक्षक भी हाल जानने और घटना के बारे में जानकारी लेने पहुंचे।

उधर वन इंडिया न्यूज चैनल से जुड़े संवाददाता देवेंद्र खरे पुत्र स्व बसंत लाल खरे ने बताया कि जब वह कार्यालय के बाहर बैठे थे तब उनके ऊपर काले रंग के पल्सर से आए दो लोगों ने उनको मारने के लिए फायरिंग की। पर उन्होंने भाग कर अपनी जान बचाई हालांकि पेट व दाहिने हाथ में गोली लगी। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले उन्होंने पूर्व अखिल भारतीय ब्राहम्ण महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऊपर हुये हमले की खबर चलाई थी।

उन्होंने कहा कि खबर को लेकर रितुराज सिंह द्वारा उनपर दबाव बनाया जा रहा था। मै दबाव में नहीं आया तो मुझे मारने की धमकी दी गई । देवेंन्द्र ने पुलिस में एफआईआर करवाई है कि उनपर उन्हीं के लोगो द्वारा हमला करवाया गया है।

विधानसभा सत्र की झलकियां

फोटोः सुमित कुमार

सत्र में प्रतिभाग करने जाते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ विधायकगण।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अग्निपथ योजना की याचिकाएं कीं खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि उसे इस योजना में दखल देने की कोई वजह नजर नहीं आती। अग्निपथ योजना समय की जरूरत है। भारत के आसपास माहौल बदल रहा है।

बदलते समय के साथ सेना में बदलाव जरूरी है। इसे एक नजरिए से देखने की जरूरत है। अग्निपथ अपने आप में एक स्टैंडअलोन योजना नहीं है। देश को सुरक्षित करने के लिए तकनीक, हाईटेक हथियार, सिक्योर डिफेंस कम्युनिकेशन के क्षेत्र में काफी काम हुआ है। हमने नई-नई तकनीक का प्रयोग शुरू किया है। यहां तक की हमने स्पेस पॉवर में भी बड़ी सफलता हासिल की है। इसको ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा युवाओं की जरूरत पड़ेगी जो तकनीक के मामले में दक्ष होते हैं। अग्निपथ योजना इसी का एक हिस्सा है। इससे हमें बड़ी संख्या में टेक फ्रेंडली युवा मिलेंगे।

जोशीमठ संकटः धामी सरकार चारधाम यात्रा करवाने में जुटी

» हाईवे पर जगह-जगह गड्ढे बने और जल स्त्रोत फूटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोशीमठ। चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है। करीब सवा लाख लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। चारधाम यात्रा के रूट पर ही जोशीमठ भी पड़ता है। यात्रा शुरू होने में बस दो महीने बचे हैं, लेकिन बद्रीनाथ हाईवे पर जगह-जगह गड्ढे बन जाने और जल स्त्रोत फूटने की खबरें आ रही हैं। सड़कों पर ये ताजे गड्ढे 10 फीट तक भी गहरे हैं।

चारधाम यात्रा बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री से गुजरती है। जोशीमठ के सुनील, स्वी, मनोहरबाग, टिनाग, सिंहधार, मारवाडी, चुनार, गांधीनगर, रविग्राम, कोठिला में मकानों और खेतों में नई दरारें आ रही हैं। जोशीमठ रेलवे रिजर्वेशन केंद्र के सामने बद्रीनाथ हाईवे पर दो दिन पहले हुए एक बड़े गड्ढे को बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन की टीम में पत्थर डालकर भरने का काम शुरू किया है। रोपवे

तिराहे के पास भी एक बड़ा गड्ढा हो गया है। जोशीमठ और मारवाड़ी के बीच 10 किमी के दायरे में नई दरारें आने की बात जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के संजय उनियाल ने भी मानी है। संघर्ष समिति से जुड़े अतुल सती ने कहा- 'अभी तो थोड़ी ही बारिश में ये गड्ढे बन रहे हैं, दरारें आ रही हैं। दो महीने बाद जब यहां से हजारों वाहन और लाखों लोग गुजरेंगे तब क्या होगा। उधर, तहसीलदार रवि शाह ने हालात काबू में बताए हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये है कि चारधाम यात्रा के लिए जोशीमठ का ये रूट और बद्रीनाथ हाईवे तैयार है?

भारत सभी का देश हैः सुप्रीम कोर्ट

» रिनेमिंग कमीशन की मांग वाली याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश के शहरों और कस्बों के प्राचीन नामों को बदलने के लिए रिनेमिंग कमीशन बनाए जाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। साथ ही कोर्ट ने कहा,देश के इतिहास को उसकी वर्तमान और भावी पीढियों को परेशान नहीं करना चाहिए।

हमारा देश धर्मनिरपेक्ष है और हिंदू धर्म जीवन का एक तरीका है, जिसने सभी को आत्मसात कर लिया है। साथ ही, कोर्ट ने नाम बदलने वाले आयोग की मांग वाली जनहित याचिका के मकसद पर सवाल उठाया और कहा, यह मुद्दे देश में आगे भी आते रहेंगे, जिससे देश में आक्रोश होता रहेगा।

पूरे उत्साह से मेघालय व नगालैंड में हो रही वोटिंग

40 महिला उम्मीदवारों सहित 559 उम्मीदवार हैं चुनाव मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोहिमा-शिलांग। पूर्वोत्तर के दो राज्यों मेघालय और नगालैंड में आज विधानसभा के लिए मतदान शुरू हो गया है। दोनों ही राज्यों में विधानसभा की 60-60 सीटें हैं, लेकिन इस बार मेघालय और नगालैंड में 59-59 सीटों पर मतदान हो रहा है। दोनों ही राज्यों में 40 महिला उम्मीदवारों सहित कुल 559 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। दूसरी तरफ

चार राज्यों- तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और झारखंड की विधानसभा सीटों पर भी आज उपचुनाव कराए जा रहे हैं।

एनडीपीपी से प्रत्याशी और नगालैंड के सीएम नेफियू रियो ने कोहिमा में अपना वोट डाला। वहीं मुख्यमंत्री कोनराड संगमा मेघालय विधानसभा चुनाव के लिए तुरा में मतदान करने पहुंचे। यहां उन्होंने आम लोगों की तरह लाइन में खड़े होकर वोट डाला। तस्वीरें बूथ संख्या 29 की हैं।

चार राज्यों में विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव

चार राज्यों तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और झारखंड की विधानसभा सीटों पर भी आज उपचुनाव उपचुनाव कराए जा रहे हैं। झारखंड के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा में मतदान जारी हैं। उपचुनाव में 14 निर्दलीय सहित 18 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, लेकिन मुकाबला मुख्य रूप से सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन के सहयोगी दल कांग्रेस और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के बीच माना जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।